भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *354

उत्तर देने की तारीख 19/12/2024

महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाएं

***354. श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:**

क्या **जनजातीय कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन से संबंधित स्वीकृत और अनुमोदित परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में आदिवासी पर्यटन आरंभ करने की पर्याप्त गुंजाइश है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार की महाराष्ट्र के डिंडोरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आदिवासी पर्यटन सर्किट आरंभ करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य मंत्री
(श्री जुएल ओराम)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

****

“महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाएं” के संबंध में श्री भास्कर मुरलीधर भगरे द्वारा दिनांक 19.12.2024 को उठाए गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *354 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (घ): भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 के अनुसार, जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन सहित पर्यटन के विकास और संवर्धन के विषय का मामला पर्यटन मंत्रालय को आवंटित किया गया है। पर्यटन मंत्रालय ने सूचित किया है कि देश में पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों (एसजी)/संघ शासित प्रदेश प्रशासनों (यूटी) द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय संबंधित योजना दिशानिर्देशों, संबंधित योजनाओं के तहत निधियों की उपलब्धता आदि के अनुरूप एसजी/यूटी से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर पर्यटन परियोजनाओं को मंजूरी देता है। पर्यटन मंत्रालय संबंधित योजना दिशानिर्देशों, संबंधित योजनाओं के तहत निधियों की उपलब्धता आदि के अनुरूप परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए अपने 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके एसजी/यूटी के प्रयासों को पूरक बनाता है। पर्यटन मंत्रालय ने महाराष्ट्र में जनजातीय सर्किट थीम पर किसी भी परियोजना को मंजूरी नहीं दी है। तथापि, स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के अंतर्गत मंत्रालय ने **अनुलग्नक-I** में दिये गए विवरण के अनुसार महाराष्ट्र राज्य में क्रमशः 2 परियोजनाओं और 1 परियोजना को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने अब स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करना है और **अनुलग्नक-II** में दिए गए विवरण के अनुसार महाराष्ट्र राज्य में 1 परियोजना को मंजूरी दी है।

इसके अलावा, अपनी एक अन्य केन्द्रीय क्षेत्र योजना 'केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय ने **अनुलग्नक-III** में दिये गए विवरण के अनुसार महाराष्ट्र राज्य में 5 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25 (एसएएससीआई)' के तहत **अनुलग्नक-IV** में दिये गए विवरण के अनुसार महाराष्ट्र को 2 परियोजनाओं सहित हाल ही में देश में 40 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय है, जो 2 अक्टूबर, 2024 को शुरू किया गया था। इस अभियान में पर्यटन मंत्रालय सहित 17 लाइन (संबंधित) मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 25 उपाय शामिल हैं, और इस अभियान में पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत जनजातीय गृह प्रवास के माध्यम से आदिवासियों के बीच पर्यटन की संभावनाओं का दोहन करने की परिकल्पना की गयी है।

इसके अलावा, जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) संविधान के अनुच्छेद 275(1) के प्रावधान के तहत अनुदान के तहत राज्य सरकारों को उनके प्रस्तावों के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एमओटीए ने महाराष्ट्र के 25 आदिवासी गांवों में गृह प्रवास (होम स्टे) स्थापित करने के लिए 13.75 करोड़ रुपये की राशि से आदिवासी पर्यटन प्रस्ताव "शबरी आदि पर्यटन" को मंजूरी दी है, जिसके तहत 250 आदिवासी होम स्टे बनाए जाएंगे। इन 25 गांवों में से 3 गांव महाराष्ट्र के डिंडोरी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

अनुलग्नक-I

"महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाएं" के संबंध में श्री भास्कर मुरलीधर भगरे द्वारा दिनांक 19.12.2024 को उठाए गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *354 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

महाराष्ट्र राज्य में एसडी के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची			
क्र. सं.	**सर्किट/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ में)**
1.	तटीय सर्किट 2015-16	सिंधुदुर्ग तटीय सर्किट का विकास - सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (समुद्र तट और क्रीक), मित्भव	19.06
2.	आध्यात्मिक सर्किट 2018-19	वाकी-आसा-धापेवाड़ा-पारदसिंघा-तेलनखंडी-गिरद का विकास	45.47

महाराष्ट्र राज्य में प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची			
क्र. सं.	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ में)
1.	2017-18	त्र्यंबकेश्वर का विकास	42.18

अनुलग्नक-II

"महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाएं" के संबंध में श्री भास्कर मुरलीधर भगरे द्वारा दिनांक 19.12.2024 को उठाए गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *354 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**लागत (करोड़ में)**	**स्वीकृति वर्ष**
1.	'शिवश्रुष्टि थीम पार्क, पुणे' चरण-3	76.22	2024-25

अनुलग्नक-III

"महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाएं" के संबंध में श्री भास्कर मुरलीधर भगरे द्वारा दिनांक 19.12.2024 को उठाए गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *354 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ में)	स्वीकृति वर्ष
1.	कनोजी आंग्रे लाइटहाउस का पर्यटन स्थल के रूप में विकास	15.00	2016-17
2.	नांदेड़ रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	5.18	2016-17
3.	इंदिरा डॉक, मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण।	12.50	2017-18
4.	औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	5.71	2017-18
5.	इंदिरा डॉक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण	37.50	2021-22

अनुलग्नक- IV

"महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाएं" के संबंध में श्री भास्कर मुरलीधर भगरे द्वारा दिनांक 19.12.2024 को उठाए गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *354 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ में)	स्वीकृति वर्ष
1.	पूर्व आईएनएस गुलदार जल के अन्दर संग्रहालय (अंडरवाटर म्यूजियम), कृत्रिम चट्टान और पनडुब्बी पर्यटन, सिंधुदुर्ग	46.91	2024-25
2.	नासिक में "राम-काल पथ" का विकास	99.14	2024-25

****